

**Fourteenth Loksabha****Session : 6****Date : 09-12-2005****Participants : Malhotra Prof. Vijay Kumar, Mishra Dr. Rajesh Kumar, Dasmunsi Shri Priya Ranjan, Mukherjee Shri Pranab**

&gt;

Title : Regarding demand for inquiry into disclosures made in Volcker Committee Report.

MR. SPEAKER: Prof. Vijay Kumar Malhotra.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा अध्यक्ष महोदय, कल तीन-चार ऐसे रहस्योद्घाटन हुये, जो बहुत ही गम्भीर हैं और जिन से तेल घोटाले के संबंध में बहुत सारी बातों पर प्रकाश पड़ता है - एक यह कि क्रोशिया में भारत के पूर्व राजदूत ... \* ने मीडिया के सामने दो बयान दिये - एक तो यह कि कांग्रेस पार्टी को इस घोटाले के बारे में पूरी तरह से पता था... (व्यवधान)

श्री रामदास आठवले कोई पता नहीं था।

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है? आप लोग रनिंग कमेंटरी किस लिये करते हैं?

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, the Congress was aware of the presence of ) ...in Iraq in November. उन्होंने जो बयान एक पत्रिका में दिया, उसके पहले उन्होंने कहा कि पत्रिका में उस बयान के छपने से पहले कांग्रेस पार्टी और कांग्रेसी नेताओं ने उन से सम्पर्क किया। उन नेताओं को उन्होंने पूरा घटनाक्रम बता दिया और यह भी बताया कि यहां-यहां घोटाला हुआ है। वह जानकारी उन्होंने पहले ही कांग्रेस पार्टी को दे दी थी। इसलिये कांग्रेस पार्टी का यह कहना कि उन्हें मालूम नहीं था, यह बात पूरी तरह से गलत साबित होती है। ... \* ने इस बात का खुलासा किया है कि क्योंकि वह अकेले मैम्बर थे, इसलिये उस बारे में यह रहस्योद्घाटन किया है। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने जो दूसरी बात कही है कि जो बयान उन्होंने पत्रिका में दिया, वही का वही बयान उन्होंने एनफोर्समेंट डायरेक्ट्रेट को दिया है।

अध्यक्ष जी, श्री नटवर सिंह जी का कल एक बयान आया है जिसमें उन्होंने कहा है कि पूरी की पूरी कांग्रेस पार्टी ने मेरे खिलाफ साज़िश की है और मुझे फंसाने के लिये बी.जे.पी. को मुद्दा उठाने के लिये कहा था

उन्हें ये कागज दिये। अध्यक्ष जी, अमरीकन कांग्रेस ने भी कहा है कि इस संबंध में जो जांच समिति बनायी थी, उसकी रिपोर्ट को भी उसने स्वीकार किया है। इस रिपोर्ट में श्री नटवर सिंह और कांग्रेसी नेताओं को ब्राइबरी, रिश्वत देने का उल्लेख किया है।

**MR. SPEAKER: Give it to me. I will see.**

---

\* Not Recorded.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ कि इस सारे रहस्योद्घाटन के बाद यहां पर कुछ लोगों ने हमारे नेताओं पर बहुत ही शरारतपूर्ण ढंग से बहुत मिथ्या और झूठे आरोप इसलिये लगाये हैं ताकि इस मामले पर पर्दा डाला जा सके। मैं यह मांग करता हूँ कि आप दोनों सदनों के सदस्यों की एक जे.पी.सी. बनायें। उस समिति के सामने पूरे के पूरे तथ्य सामने आयें ताकि उस से दूध का दूध और पानी का पानी अलग हो जाये। इसका कारण यह है कि जस्टिस पाठक के पास कोई पत्र नहीं है, कोई कागज नहीं है और न श्री वीरेन्द्र दयाल के पास कागज हैं...(व्यवधान) जस्टिस पाठक के पश्चात् जो कुछ भी जांच हो रही है, वह एनफोर्समेंट डायरेक्ट्रेट कर रहा है जो वित्त मंत्रालय के अंतर्गत है, प्रधान मंत्री के अंतर्गत है। इस तरह से इस मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। यह देखने की कोशिश की जा रही है कि यदि हम उन पर आरोप लगायें, तो वे हम पर आरोप लगायें ताकि इस बीच में कांग्रेस पार्टी ने जो अपराध किये हैं, कुकर्म किये हैं, भ्रष्टाचार किया है, उन पर पर्दा डाला जा सके। इसलिये हम आपसे जे.पी. सी. की मांग करना चाहते हैं। जब तक जे.पी. सी के गठन की मांग पूरी न हो, तब तक श्रीमती सोनिया गांधी नेशनल एडवायजरी कौंसिल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दें।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है, क्या बात है? I am calling डा. राजेश मिश्रा।

... *(Interruptions)*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, अगर कांग्रेस पार्टी जे.पी.सी. नहीं बनने देगी तो हम समझेंगे कि वह मामले पर पर्दा डाल रही है और कवर कर रही है। जे.पी.सी. में कांग्रेस का बहुमत होगा, यू.पी.ए. का दो तिहाई बहुमत होगा...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष जी, हमें भी इस विषय पर कुछ कहना है।

अध्यक्ष महोदय : आपने नोटिस नहीं दिया है।

...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, समिति में कांग्रेस पार्टी का बहुमत होगा, इसके बाद भी दोनों सदनों की इस समिति को फ़ैसला करने दीजिये और जब रिपोर्ट आये तो ये बेनकाब होंगे।

डॉ. राजेश मिश्रा अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि इस महत्वपूर्ण विषय पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया है। जब से वोल्कर समिति की रिपोर्ट आयी है, तब से एक एक तथ्य स्पष्ट होता जा रहा है। वोल्कर ने जो रिपोर्ट दी है, उसमें यह इंगित किया गया कि श्री नटवर सिंह के साथ चार और लोग गये थे। उनमें एक सज्जन यही थे जिन्होंने कुछ बयान दिये हैं। उस बयान के बाद नैतिकता के आधार पर कि यह सदन लगातार चल सके, जिस जनता की गाड़ी कमाई और पैसे को इस सदन को चलाने में लगाते हैं, वह चल सके, इसलिये श्री नटवर सिंह जी ने इस्तीफा दिया [\[RB15\]](#)।

मान्यवर, उसके बाद तमाम बातें जो प्रकाश में आई हैं, हम आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहते हैं कि श्री रोमेश भंडारी जी, जो इराक के पूर्व एम्बेसेडर थे, उन्होंने यह बयान दिया है और उसमें उन्होंने सारी कड़ियों को जोड़ा है। उसमें एक बात बहुत ही स्पष्ट है कि उस समय एन.डी.ए. की सरकार थी और कांग्रेस पार्टी विपक्ष में थी। यदि माननीय नटवर सिंह जी और उनके चार साथियों को सिर्फ दोस्ती के आधार पर इराक बुलाया गया और इराक बुलाकर उन्हें तेल के कूपन दिये गये तो यह तय है कि बिना सत्तापक्ष को कान्फिडेन्स में लिये और बिना सत्तापक्ष को उससे ज्यादा कूपन दिये कोई विपक्षी सदस्यों को नहीं बुला सकता, क्योंकि उन्हें उस समय हिन्दुस्तान से लाभ लेना था। इसलिए जो श्री रोमेश भंडारी ने बयान दिया है, उसमें उन्होंने कहा है कि उस समय श्री राम नाइक, जो तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री थे, उनके साथ तमाम सारी कंपनियों के मैम्बर्स और डीलर्स गये थे। कई बार चार्टर्ड प्लेन्स वहां गये हैं। उस समय जहाज नहीं चलते थे, इसलिए वहां चार्टर्ड प्लेन्स गये हैं। इसके अलावा श्री रोमेश भंडारी ने जो सबसे बड़ी बात कही है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या हो रहा है, सब बहुत अच्छा चल रहा है।

...(व्यवधान)

डॉ. राजेश मिश्रा : उस समय के उप-प्रधान मंत्री, श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी को इसकी जानकारी थी और उस समय के प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और उनके घर में रहने वाले .... \* ने श्री सद्दाम हुसैन के लड़के से दोस्ती के संबंध बनाये और...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No names will become part of the proceedings. I have not allowed.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आपने बोला है, सबने आपको सुना है।

... (ब्यवधान)

MR. SPEAKER: I made them listen to you.

... (Interruptions)

---

\* Not Recorded.

डॉ. राजेश मिश्रा : हम कहना चाहते हैं कि श्री सद्दाम हुसैन से लड़के से जिसकी दोस्ती थी और जिसकी वजह से... (ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अभी आपकी सरकार है, वह इसे कंसीडर करेगी।... (ब्यवधान) MR. SPEAKER: हम कैसे सुनेंगे, whether it is right or wrong.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions)\* ...

MR. SPEAKER: That will not go on record. I have deleted it.

(Interruptions)\* ...

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions)\* ...*

MR. SPEAKER: Go to your seat Mr. Ramdas Athawale. It is enough.

*... (Interruptions)*

MR. SPEAKER: Shri Devendra Prasad Yadav.

*... (Interruptions)*

अध्यक्ष महोदय : श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव।

*... (ब्यवधान)*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आपकी सरकार है, वह इसकी इंक्वायरी करेगी।... (ब्यवधान)

MR. SPEAKER: I am extremely grateful to you. I am really thankful to you. This is the way it has to be done. थोड़ा टोका-टोकी तो होगी।

*... (Interruptions)*

MR. SPEAKER: They should listen to you and you should also listen. थोड़ी टोका-टोकी तो होनी चाहिए।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : You can inquire... *(Interruptions)*

---

\* Not Recorded.

MR. SPEAKER: That is why I am expressing my gratitude to you. This is the way it has to be done. The country will decide. The Government is there. That is why, I am

expressing my gratitude. This is the way to function. थोड़ी टोका-टोकी तो होनी चाहिए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आठवले जी, आपका भाण रिकार्ड में नहीं जायेगा।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): The issue that has been raised by Mr. Malhotra, the hon. Leader of the House would like to respond on this.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष जी, हम लोगों ने आपसे सुबह की मीटिंग में अनुरोध किया था और आपने हमारे अनुरोध को स्वीकारा था।

अध्यक्ष महोदय : मैंने स्वीकारा था। But you have not given any notice. Those who have given notices, I will call them only. I thought that you have given notice, but you have not given any notice. How do I know? I assumed that you had given notice, but you have not given any notice[R16].

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम लोगों के अनुरोध को आपने स्वीकार किया था। इस आधार पर हम चाहेंगे कि हमें बोलने का मौका दें। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : फिर एक एक करके सब बोलने लगेंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह : दो-दो मिनट का समय देना चाहिए, यह अत्यंत महत्वपूर्ण सवाल है।

अध्यक्ष महोदय : पूरे पाँच घंटे डिसकशन हुआ। हमने मेन अपोज़ीशन पार्टी को समय दिया है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, दो-दो मिनट का समय देना चाहिए। लीडर्स मीटिंग में हमने आपसे अनुरोध किया था। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ जी, आज आप हमें माफ कीजिए। मैं आपसे अपील करता हूँ कि आप सोमवार को नोटिस दीजिए। They had given notice in time. He has given notice, I have called him. आप सोमवार को नोटिस दीजिए, मैं आपको मौका दूंगा।

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: He is not on this issue. He is on a different matter.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Come full of energy on Monday, I will permit you.

... (Interruptions)

श्री प्रभुनाथ सिंह : फिर सोमवार को पहले हमें ही बोलने का मौका दें।

अध्यक्ष महोदय : पहले आपको मौका देंगे यदि आप सही ढंग से नोटिस देंगे।

... (ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सदन के नेता बोल रहे हैं, आप थोड़ी मदद करें।

... (ब्यवधान)

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Mr. Speaker Sir, the hon. Deputy-Leader of the Opposition, Shri Malhotra, has raised an issue. It is not known why this issue is being debated on the floor of the House when full-fledged discussion took place. Apart from the full-fledged discussion, almost on everyday, these issues have been raised in some form or the other.

A Commission or an Inquiry Authority has been instituted under Section 11 of the Commissions of Inquiry Act. The Authority is at its job. The material, relevant and necessary, for inquiry has been collected. Those are being analysed and those are being made available to the Inquiry Authority. As it has been explained on the floor of this House, the scope of the Inquiry Authority is very wide. Whatever power the Inquiry Authority wants under the section of Commissions of Inquiry Act, already the powers

have been given under Section 11. It has also been pointed out that if additional powers are required that will be provided as and when it is demanded by the Authority.

The Commission of Inquiry is already functioning, the materials are being collected and those are being provided to them. I do not understand what is the rationality of demanding a JPC at this stage. Let the Inquiry Authority complete its job and then the truth will come out. We did not even wait for the demand from the Opposition. The Government decided to set up this Inquiry Authority under the Commissions of Inquiry Act when the matter was revealed. All the facts which are to be considered by the Inquiry Authority will be considered. A very eminent personality is heading that Inquiry committee who was not only the Chief Justice of this country but was also a Judge of the International Court of Justice.

I do not see whether any purpose would be served by setting up a Joint Parliamentary Committee (JPC). Most respectfully, I would like to submit that even there should be some rationality in the demand of the Opposition. Sometimes they are demanding CBI should be put into an investigation; sometimes they are demanding a straight FIR to be lodged; and now suddenly they are coming out with a demand of JPC.

MR. SPEAKER: It is because of developing situation.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Yes, there may be a developing situation, but there is nothing outside the purview of the Inquiry Authority... (*Interruptions*)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : हार्द मेहता स्कैम पर जेपीसी बनी थी। ...(ब्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Please, Shri Pathak, I am on my legs... (*Interruptions*)  
Whatever they can demand that they can suggest... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He has said that it is a comprehensive Inquiry, according to the Government.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: That these matters, new relevant factors which have come in, should also be sent to the Commission or Inquiry Authority for its consideration. That demand could be justified. But just to suggest a completely new set



of mechanism to look into the matter is not acceptable to us. Most respectfully, I would like to submit that... (*Interruptions*)

श्री हरिन पाठक : हाद मेहता मामले में जेपीसी बनी थी। ...(व्यवधान)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, we are not satisfied with the reply given by the hon. Minister. We protest very strongly and we are walking out of this House.

**12.30 hrs.**

At this stage, Prof. Vijay Kumar Malhotra and some other

*hon. Members left the House.*

... (*Interruptions*)

---

MR. SPEAKER: No please. Only Shri Devendra Prasad Yadav's submission should go on record.

*(Interruptions)\* ...*

MR. SPEAKER: All precedents are not applicable in all cases.

Shri Devendra Prasad Yadav.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not right. He is raising an important issue. Kindly allow him to speak.

... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : यह सही नहीं है।

... (ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह सही नहीं है। आप शांत रहिए।

... (ब्यवधान)

MR. SPEAKER: Silence please.

---

\* Not Recorded.